भारत सरकार
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 3138
शुक्रवार, 06 अगस्त, 2021 को उत्तर दिए जाने के लिए

समुद्री स्थानिक योजना

3138 श्री डी.एम. कथीर आनन्द :
श्री अण्णासोहब शंकर जोल्ले:
डॉ. उमेश जी. जाधव:
श्री प्रताप सिम्हा:

क्या पृथ्वी विज्ञान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार समुद्री स्थानिक योजना बना रही है;
(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इसकी मुख्य विशेषताएं क्या हैं;
(ग) इस उद्देश्य के लिए चिह्नित भौगोलिक स्थानों का ब्यौरा क्या है;
(घ) क्या भारत इसके लिए विदेशी सहायता/सहयोग के लिए विचार कर रहा है; और
(ङ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या हैं ?

उत्तर
विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी तथा पृथ्वी विज्ञान राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)
(डॉ. जितेंद्र सिंह)

(क) जी, हां।

(ख) पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय ने पुडुचेरी एवं लक्षद्वीप द्वीपों नामक दो प्रायोगिक स्थलों हेतु समुद्री स्थानिक योजना प्रक्रिया आरम्भ की है, जिसका उद्देश्य एकीकृत समुद्री संसाधन प्रबन्धन तथा संवहनीय तरीके से विकास कार्यों का निष्पादन करना है।

(ग) पुडुचेरी विशिष्ट पर्यावरणीय एवं आर्थिक परिवेश वाला एक नगरीय क्षेत्र है, जहां पर उद्योग, मत्स्यपालन एवं पर्यटन महत्वपूर्ण क्षेत्र हैं, जबकि लक्षद्वीप पुरातन पारिस्थितिकी तंत्र के

दृष्टिकोण से एक संवेदनशील क्षेत्र है, जहां पर पर्यटन एवं मत्स्यपालन की बहुत अधिक संभावना है।

(घ) जी, हां। नॉर्वे के साथ सहयोग में समुद्री स्थानिक योजनाकी रूपरेखा तैयार की जा रही है।

(ङ) भारत एवं नॉर्वे ने जनवरी 2019 में एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करते हुए भारत-नॉर्वे के बीच 'समुद्री संवाद' स्थापित किया गया था। इस समझौता ज्ञापन के अन्तर्गत, नॉर्वे विदेश मंत्रालय और पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय पांच वर्ष की अवधि के लिए नॉर्वे-भारत "एकीकृत समद्री पहल" स्थापित करके सहयोग प्रदान करने पर सहमत हुए हैं। नॉर्वे पर्यावरण एंजेसी तथा पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के संबद्ध कार्यालय राष्ट्रीय तटीय अनुसंधान केन्द्र (एन.सी.सी.आर.), को एकीकृत समुद्री पहल हेतु एक मसौदा रूपरेखा तैयार करने का दायित्व सौंपा गया था।

*****